कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक समस्यायें

(1) Slowdown — G.D.P की Growth rate (वृद्धि दर) कम होने लगती है हालांकि वह समरात्मक रहती है अर्थात् Slowdown में G.D.P पहले की तुलना मे कम वृद्धि दर से बढ़ता है।

Example —

	t_1	t_2	t_3 (T = Time)
G.D.P →	₹ 100	₹ 105	₹ 108
Growth Rate →	—	5%	3%

Diagram —

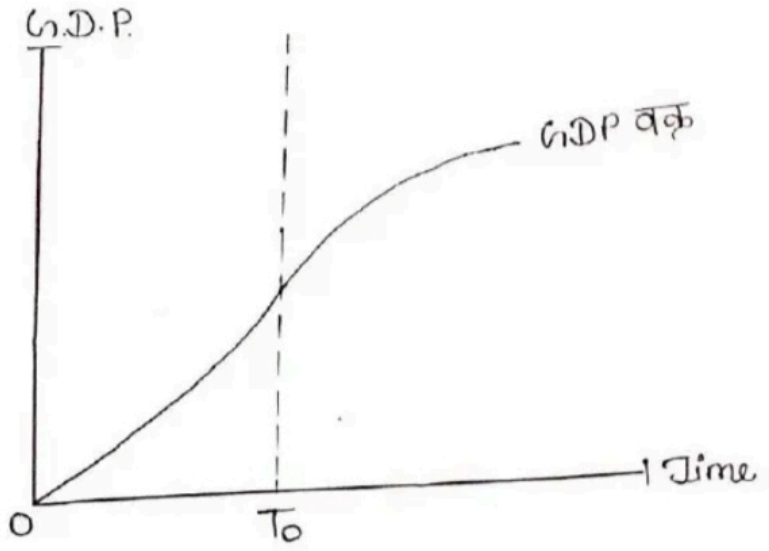

(2) Contraction — यदि ग्रोथरेट किसी भी तिमाही में पहली बार नकारात्मक हो जाती है तो इसे Contraction कहते हैं।

Example —

2023-24	2022-23
$Q_1 \rightarrow 95$	Q_1
$Q_2 \rightarrow 105$	$Q_2 \rightarrow 100$
$Q_3 \rightarrow 98$	$Q_3 \rightarrow 100$
Q_4	Q_4
(Q_2 की ग्रोथ 5% रही)	(Q_3 की ग्रोथ (-2%) रही)

(3) Recession — यदि ग्रोथरेट लगातार कम से कम 2 तिमाहियो के लिए नकारात्मक बनी रहती है तो इसे Recession (मंदी) कहते हैं।

(4) Depression — Recession + Deflation (अवस्फीति)
↓
(वस्तुओं की कीमतो का गिरना)

(5) Meltdown — शेयर बाजार मे भारी गिरावट।

Stimulas (स्टीम्युलस)

यह मौद्रिक और राजकोषीय नीतियो का एक मिश्रण है जो Slowdown (मंदि) आदि समस्याओ के लिए लाया जाता हैं। इसे निम्न प्रकार समझा जा सकता है —

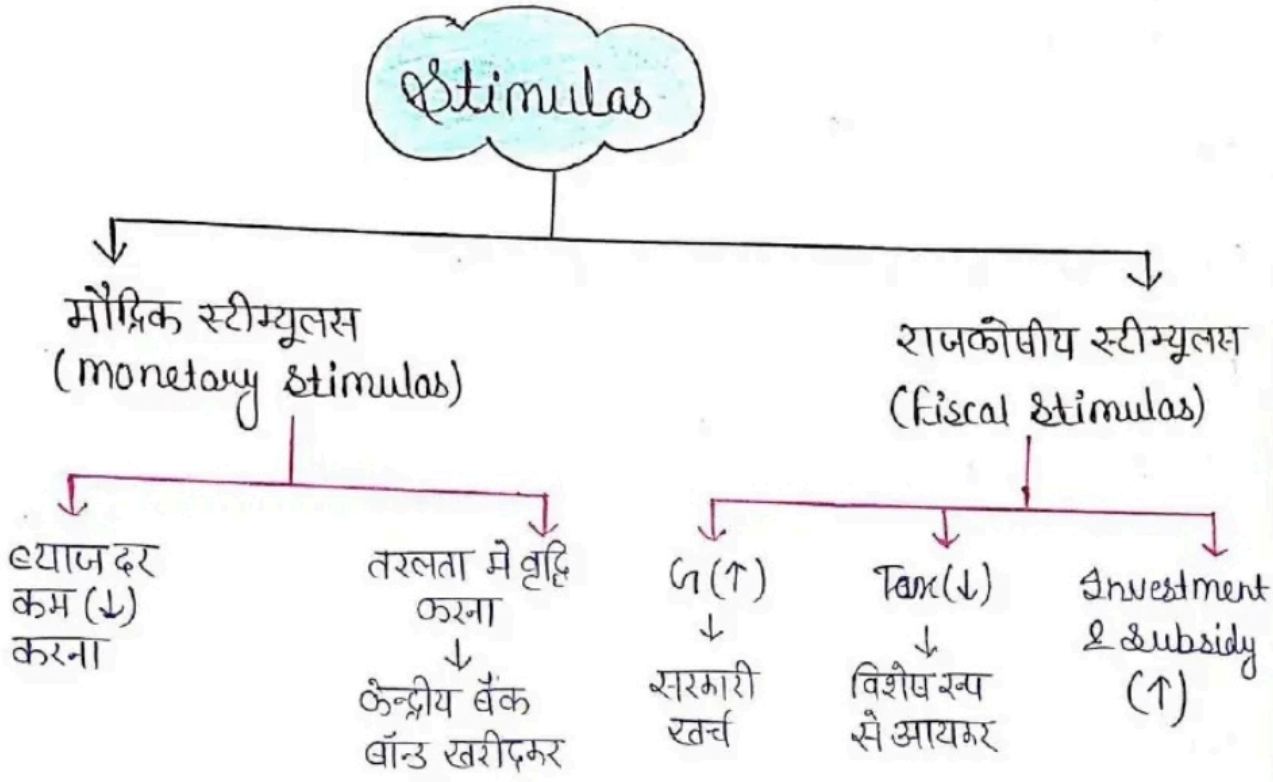

NOTE — यह कहा जाता है कि मंदी मे मौद्रिक स्टीम्युलस की तुलना मे राजकोषीय स्टीम्युलस अधिक प्रभावी होता हैं।